मंगलवार
33 साल से देहरादून का विश्वास
दूनवैली मेल
सांध्य दैनिक
01 जुलाई 2025
- देहरादून
- वर्ष 33
- अंक 147
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

आर.एन.आई. : 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

महेंद्र भट्ट की ताजपोशी

प्रांतीय परिषद की बैठक में नाम की घोषणा

❑ सीएम ने फूलमाला पहनाकर दी बधाई, भट्ट बोले भरोसा जताने के लिए सबका आभार

विशेष संवाददाता

देहरादून। राजधानी में आयोजित भाजपा की प्रांतीय परिषद की बैठक में आज केंद्रीय पर्यवेक्षक हर्ष मल्होत्रा द्वारा नवनिर्वाचित प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट के नाम की औपचारिक घोषणा के साथ ही भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष का चुनाव संपन्न हो गया है। महेंद्र भट्ट के निर्विरोध दोबारा प्रदेश अध्यक्ष बनने पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उन्हें बधाई दी तथा भाजपा के तमाम वरिष्ठ नेताओं ने फूल माला पहनाकर उनका स्वागत किया।

बीते कल इस पद के लिए किसी अन्य भाजपा नेता द्वारा नामांकन पत्र न भरे जाने के बाद महेंद्र भट्ट के दोबारा प्रदेश अध्यक्ष बनने का रास्ता साफ हो गया था। आज हुई प्रांतीय परिषद की बैठक में उनके नाम की घोषणा का प्रस्ताव लाया गया। इस अवसर पर केंद्रीय प्रभारी दुष्यंत गौतम और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अलावा भाजपा के सभी बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री तथा सांसदों सहित बड़ी संख्या में भाजपा के नेता मौजूद रहे।

इस अवसर पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान महेंद्र भट्ट द्वारा भी भाजपा केंद्रीय नेतृत्व, प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री शाह और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा व प्रदेश के मुख्यमंत्री सहित अन्य तमाम नेताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने मुझ पर जो भरोसा जताया है मैं उसे पर खरा उतरने का प्रयास करूंगा। उन्होंने कहा कि पार्टी कार्यकर्ताओं में समन्वय और सामंजस्य बनाए रखना और सभी को साथ लेकर चलना ही उनकी प्राथमिकता रहेगी।

उन्होंने कहा कि वह पिछले 5 सालों से निरंतर संगठन को मजबूत करने में जुटे हुए हैं तथा उनका यह काम अब आगे भी जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में पंचायत चुनाव होने जा रहे हैं जिसकी वह तैयारी पहले ही कर चुके हैं अब उनका टारगेट 2027 के चुनाव हैं उनकी कोशिश होगी कि लगातार तीसरी बार प्रदेश में भाजपा की सरकार बने। उन्होंने सहयोग के लिए और सम्मान के लिए सभी सूबे के नेताओं का आभार जताया।

दून वैली मेल

संपादकीय

आपदाओं का उत्तराखंड

एक तरफ उत्तराखंड का वह प्राकृतिक सौंदर्य जो इस देवभूमि के एक नैसर्गिक स्वर्ग होने का एहसास कराता है और दूसरी तरफ वह प्राकृतिक आपदाएं जिससे हम कोई सबक लेने को तैयार नहीं तथा विकास के नाम पर विनाश की ओर ले जाने वाली अंधी दौड़ का हिस्सा बन चुके हैं। इन दोनों स्थितियों के बीच न तो राज्य के आम लोगों को यह समझ आ रहा है कि इसका समाधान क्या है और न सत्ता में बैठे लोगों में इसके प्रति कोई सजगता दिखाई दे रही है। चार धाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों के हर साल नए कीर्तिमानो का भूत तो सत्ता पर सवार है लेकिन उनकी सुरक्षा और सुविधाओं को नजर अंदाज करने का नतीजा ही है कि साल दर साल मानसून काल की आपदाओं में और उनसे होने वाले जान माल के नुकसान में लगातार वृद्धि होती जा रही है। इन आपदाओं के समय शासन-प्रशासन द्वारा शॉर्ट टर्म उपाय तो किए जाते हैं लेकिन हम 2013 की केदारनाथ आपदा जिसमें 10 हजार से भी अधिक लोग काल के गाल में समा गए जिनका सही आंकड़ा तक नहीं जुटा जा सके और अभी 3 साल पूर्व जोशीमठ में हुई भू धसाव की घटना जिसने इस ऐतिहासिक शहर के अस्तित्व को ही खतरे में डाल दिया जैसी बड़ी घटनाओं से न तो कोई सबक लेने को तैयार है और न समस्या के समाधान के लिए कोई गंभीर पहल करने को तैयार। हर साल सैकड़ो और हजारों की तादाद में लोग मर रहे हैं जान माल का भारी नुकसान हो रहा है पहाड़ दरक रहे हैं नदी-नाले और खालों का प्राकृतिक स्वरूप बिगड़ने से वह रौद्र रूप धारण करते जा रहे हैं मानसून काल में अति वृष्टि और बादल फटने की घटनाएं बढ़ती जा रही है लेकिन इस बात पर गौर करने के लिए कोई भी तैयार नहीं है कि इसके पीछे मूल कारण क्या है? आपदा के समय यात्रा को रोक देना स्कूलों को बंद कर देना तथा आपदा के समय बचाव और राहत कार्य करके हम अपने कर्तव्यों से पल्ला झाड़ लेते हैं। चारधाम ऑल वेदर रोड निर्माण जैसे बड़े प्रोजेक्ट में क्या इस हिमालयी राज्य की अति संवेदनशील स्थिति के तहत नियम कानूनों का पालन किया गया? अगर इस पर एक बार भी गौर किया गया तो 900 किलोमीटर लंबे इस मार्ग के निर्माण के लिए 56 हजार से अधिक पेड़ों का काटा जाना और उसके लिए पहाड़ों को तोड़ा जाने का जो काम किया गया क्या उसके मलबे के उचित निस्तारण की भी कोई व्यवस्था की गई। 25 सालों में राज्य में 50 हजार किलोमीटर से अधिक लंबी सड़कों का निर्माण किया गया है तथा पहाड़ कटान से निकले मलवे को खाइयो में धकेलने या नदी नालों और खालो में खपाने का काम होता रहा है लेकिन न तो पेड़ों के कटान को लेकर और मलबे के निस्तारीकरण को लेकर किसी के द्वारा प्रभावी तरीके से इसका विरोध किया गया है न ही कोई कोशिश की गई, जिसका नतीजा है पहाड़ के मौसम और नदियों-नालों के स्वरूप में आया बदलाव, जिसका अब खामियाजा हमें भूस्खलन और बाढ़ तथा अन्य तमाम आपदाओं के रूप में झेलना पड़ रहा है। चार धामों में उनकी केयरिंग कैपेसिटी के अनुसार यात्रियों को पहुंचाने की बात हम कई साल से सुनते चले आ रहे हैं लेकिन इस पर कितना अमल किया गया है इसकी गवाही खुद हर साल बढ़ती जा रही यात्रियों की संख्या दे रही है। पहाड़ में 25 सालों में कितना अनियोजित विकास हुआ है यह हम सभी जानते हैं इसके साथ ही यह भी जानते हैं कि इसके भावी परिणाम क्या होंगे लेकिन इन विकास योजनाओं के कमीशन तक ही सत्ता की नजरें सीमित है भविष्य के खतरों तक किसी के द्वारा सोचने की जरूरत नहीं समझी जा रही है यह सबसे ज्यादा चिंतनीय है।

मेला क्षेत्र की पार्किंगों के समीप वेडिंग जोन स्थापित कराने की मांग

संवाददाता

हरिद्वार। मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेज लघु व्यापारियों को मेला क्षेत्र में समस्त पर्किंगों के नजदीक अलग से वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की मांग को दोहराया।

आज यहां आगामी कावड़ मेले के दृष्टिगत समस्त मेला क्षेत्र में चलाए जा रहे अतिक्रमण अभियान के दौरान रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों के शोषण के विरोध में लघु व्यापार एसो.के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा की अध्यक्षता में दीनदयाल उपाध्याय पार्किंग के प्रांगण में रेड़ी पटरी के लघु व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने बैठक के माध्यम से ईमेल द्वारा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से मांग की आगामी कावड़ मेले के दृष्टिगत नगर निगम प्रशासन द्वारा आवटित किए गए विक्रिया प्रमाण परिचय पत्र कारोबारी लाइसेंस के लाभार्थी रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को मेला क्षेत्र में समस्त पर्किंगों के नजदीक अलग से वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की मांग को प्रमुखता से दोहराया।

इस अवसर पर लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना राष्ट्रीय आजीविका मिशन उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार हरिद्वार नगर निगम प्रशासन द्वारा पूर्व में फेरी समिति की बैठक के निर्णय के अनुसार रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर आवटित किए गए विक्रय प्रमाण परिचय पत्र कारोबारी लाइसेंस के सभी लाभार्थी लघु व्यापारियों को मेला क्षेत्र में स्वरोजगार करने की अनुमति दिया जाना न्याय संगत होगा उन्होंने कहा शीघ्र ही शासन प्रशासन से भेंटवार्ता कर रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को कावड़ मेला पार्किंग के नजदीक अलग से वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की मांग को दोहराया जाएगा।

लघु व्यापारी नेता फेरी समिति सदस्य कमल सिंह ने कहा धर्म नगरी हरिद्वार में कावड़ मेला वह अन्य मेलों के दौरान अन्य राज्यों से आने वाले रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर लघु व्यापारियों का पंजीकरण नगर निगम प्रशासन द्वारा किया जाना अति आवश्यक है उन्होंने कहा धर्मानगरी हरिद्वार में उत्तराखंड के नागरिक जो की रेड़ी पटरी लगाकर अपने परिवार का पालन पोषण करते चले आ रहे हैं ऐसे रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स को चिन्हित कर योजनाबद्ध तरीके से व्यवस्थित व स्थापित किया जाना उत्तराखंड नगरी फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार न्याय संगत होगा।

लघु व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों की बैठक का संचालन जिला अध्यक्ष राजकुमार ने किया बैठक में अपने विचार व्यक्त करते शहर अध्यक्ष सुनील कुकरेती, ओमप्रकाश भाटिया, अनुज त्रिवेदी, मोनू तोमर ,कुंदन कश्यप, सुमित कुमार ,चंदन सिंह रावत, जय सिंह बिष्ट, मोहनलाल, लाल चंद, प्रेम ठाकुर, शुभम, पवन कोरी, सुभाष सतीश, करण, अंजू, सुमित्रा, सावित्रि, सुनीता, मंजू, पूनम, आशा आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

घर के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी

देहरादून (सं)। चोरों ने घर के बाहर से मोटरसाईकिल चोरी कर ली। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।प्राप्त जानकारी के अनुसार देहराखास निवासी शिवांशु चौधरी ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसने अपनी मोटरसाईकिल घर के बाहर खड़ी की थी लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी मोटरसाईकिल अपने स्थान से गायब थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

गंगा घाटों पर जल पुलिस कर रही लोगों को आगाह

टिहरी (सं)। टिहरी पुलिस पहाड़ों पर अत्यधिक वर्षा होने के कारण पर्यटकों को गंगा तट पर न जाने हेतु लाउडस्पीकर के माध्यम से सचेत कर रही है। आज यहां एसएसपी टिहरी आयुष अग्रवाल द्वारा दिए गए दिशा निर्देशों के अनुपालन में टिहरी पुलिस पहाड़ों पर अत्यधिक वर्षा होने के कारण पर्यटकों को गंगा तट पर न जाने हेतु लाउडस्पीकर के माध्यम से सचेत कर रही है। अलकनंदा नदी का जल स्तर काफी बढ़ चुका है,एवं श्रीनगर क्षेत्र से बांधो से पानी बड़ी मात्रा में छोड़ा जा रहा है जिस कारण गंगा नदी के जल स्तर में अकस्मात वृद्धि हो गई है। मुनि की रेती में जल पुलिस के द्वारा लाउड इन हेलर से लोगों को नदी तट पर न जाने की सलाह दी जा रही है। एवं घाटों को खाली कराया जा रहा है। देवप्रयाग में भी संगम पर जल स्तर बढ़ा है, देवप्रयाग पुलिस के द्वारा लोगों को संगम पर जाने से एवं स्नान आदि फिलहाल न करने की सलाह दी जा रही है। जनपद टिहरी पुलिस आम जन/पर्यटकों की सुरक्षा में सदैव तत्पर है।

अब्दुल हमीद की वीर गाथाओं को किया याद

संवाददाता

देहरादून। नेताजी संघर्ष समिति ने वीर अब्दुल हमीद की जयंती पर उनकी वीर गाथाओं को याद किया। आज यहां नेताजी संघर्ष समिति के कार्यकर्ताओं ने शहीद वीर अब्दुल हमीद की जयंती पर समिति के पदाधिकारी बारिश के चलते हुए वीर अब्दुल हमीद चोक (तहसील चौक) पहुंचे और उनके चित्र को देख उनकी वीर गाथाओं को याद किया। इस मौके पर समिति के उपाध्यक्ष प्रभात डंडरियाल और प्रमुख महासचिव आरिफ वारसी ने कहा कि किस प्रकार अब्दुल हमीद ने पाकिस्तान और चीन से युद्ध के दौरान भारत देश का नाम ऊंचा किया और पाकिस्तान को धूल चटा कर देश का परचम ऊंचा कर वीर गति को प्राप्त हुए। प्रभात डंडरियाल और आरिफ वारसी ने बताया कि एक जुलाई 1933 को वीर अब्दुल हमीद का जन्म उत्तर प्रदेश में हुआ था। उन्होंने युद्ध में पाकिस्तान के छक्के छुड़ा दिए थे देशवासी सदैव उनके ऋणी रहेंगे अल्प आयु में ही उनकी मृत्यु 1966 को हो गई थी।

इस मौके पर आरिफ वारसी, प्रदीप कुकरेती, प्रभात डंडरियाल, पारस यादव, दानिश नूर, सुशील विरमानी आदि उपस्थित रहे।

हजारा बिरादरी की नई कार्यकारिणी निर्वाचित, थापर बने प्रचार मंत्री

संवाददाता

देहरादून। हजारा मुल्तानी बिरादरी की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया जिसमें अभिनव थापर को प्रचार मंत्री बनाया गया।

आज यहां गीता भवन, धामावाला में 'हजारा बुणजाई मुल्तानी बिरादरी' द्वारा लोहड़ी का वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। उत्तराखंड की सबसे पुरानी सामाजिक संस्थाओं में से एक 'हजारा बुणजाई मुल्तानी बिरादरी' समिति 1950 से देहरादून और आस-पास के क्षेत्र में धार्मिक और सामाजिक कार्य कर रही है। इस वर्ष कार्यकारिणी समिति की वार्षिक बैठक का आयोजन किया गया व बिरादरी की नई कार्यकारिणी का चुनाव सम्पन्न कराया गया। बिरादरी के नवनिर्वाचित प्रचार मंत्री अभिनव थापर ने बताया कि यह बिरादरी उत्तराखंड में मौजूद सबसे पुराने सामाजिक संगठनों में से एक है और सदा सामाजिक सदभाव और आपसी सौहार्द के लिये काम करती है। इस वर्ष बिरादरी का चुनाव शांति से सम्पन्न हो गया और नए कार्यकारिणी के सदस्यों ने शपथ ग्रहण कर अपनी जिम्मेदारी आगे निर्वाहन करने का निर्णय लिया। विदित है कि बिरादरी देहरादून में 1950 से प्रत्येक वर्ष लोहड़ी के कार्यक्रम आयोजित कर सर्व समाज में एकता और सदभाव का संदेश देती है। इस वर्ष यह वार्षिक आमसभा कार्यक्रम बिरादरी ने धामावाला स्तिथ गीता भवन के प्रांगण में मनाया। जिसमे चुनावी प्रक्रिया के बाद का सफलतापूर्वक निर्वाहन किया गया। हजारा बुणजाई बिरादरी 1950 समिति की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी में अध्यक्ष पावन कुमार चंडोक, प्रचार मंत्री व मीडिया प्रभारी अभिनव थापर, उपाध्यक्ष अशोक मल्होत्रा, महासचिव सचिन विज, कोषाध्यक्ष संजय उप्पल, सचिव अभिषेक तलवार, क्षेत्र प्रधानों के रूप में प्रद्युमन कक्कड़, संजीव पूरी, किशोर कुमार सहगल, बलदेव मकोल, योगेश नंदा, गिरीश कक्कड़, राजकुमार कक्कड़, भुवनेश कक्कड़, जितेंद्र तलवाड़, जितेंद्र विज, प्रदीप सुदी, धीरज ओबेरॉय का निर्वाचन सम्पन्न हुआ। संरक्षक मंडल में मदन लाल मल्होत्रा, हरी ओमी, सतीश कक्कड़, बाबू राम सहगल, के के ओबेरॉय मनोनित हुए। अब यह नवनिर्वाचित कार्यकारिणी अगले 2 वर्षों तक उत्थान व सामाजिक सरकारों के बिरादरी के लिए कार्य करेगी।

अब निजी ब्रांड गढ़ रहा सोशल मीडिया

सोशल मीडिया के अब कई सकारात्मक रूप सामने आ रहे हैं। मगर इसमें किसी भी प्रोडक्ट, सर्विस या पर्सनल ब्रांड को बनाना पेड़ लगाने या बच्चे को पालने जैसा काम है। यह एक दिन में नहीं बनता। इसको बनाने के लिए लगातार प्रयास चाहिए। प्रोडक्ट या सर्विस ब्रांड के बारे में तो सब जानते हैं, लेकिन यह पर्सनल ब्रांड क्या है? तो इसे यूं समझिए कि टाटा नमक एक प्रोडक्ट ब्रांड है, टाटा स्काई सर्विस ब्रांड और स्वयं रतन टाटा एक पर्सनल ब्रांड हैं। जैसे बहुत लोग मुझे इस्सेन्स मीडिया के नाम से जानते हैं और इस्सेन्स को मुझसे। ज्यादातर लोग पर्सनल ब्रांड को बिल्कुल आगे नहीं रखते और सिर्फ बिजनेस ब्रांड पर फोकस करते हैं। मगर आपका पर्सनल ब्रांड आपके बिजनेस को बहुत फायदा पहुंचा सकता है। गौर कीजिए, आज ब्रांड नरेंद्र मोदी से पूरी भाजपा की नैया पार लग रही है। इसी तरह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपना अलग पर्सनल ब्रांड बनाया है।

मैं अहमदाबाद में था, एक मित्र ने कहा कि मैं एक सोशल मीडिया एजेंसी हायर कर रहा हूं अपने अगरबत्ती ब्रांड के प्रमोशन के लिए। मैंने पूछा, अच्छी बात है, लेकिन आपके ब्रांड को प्रमोट कैसे करना है, एजेंसी को आप कैसे समझाओगे? उन्होंने कहा, यह तो उसका (एजेंसी का) काम है, अपने करेगी। मैंने कहा, अपने बच्चे की परवरिश आया के हाथों करानी है या उसे खुद संभालना है, यह पूरी तरह से निजी और परिस्थितिजन्य मामला है। संभव है, आपके पास बिल्कुल समय न हो और आया ही आपके बच्चे को संभाले, लेकिन आया की परवरिश और आपकी परवरिश के आउटपुट में अंतर होगा।

लोग आपकी छोटी-छोटी गतिविधियों को मॉनिटर करते हैं। आपको महीनों-सालों तक ऑब्जर्व करते हैं, फिर आपके बारे में एक धारणा बनाते हैं, यह धारणा ही आपका पर्सनल ब्रांड है। आपको लगेगा कि कोई नोटिस नहीं कर रहा, लेकिन लोग आपके सोशल मीडिया अकाउंट को स्क्रॉल करते हैं, बगैर कोई प्रतिक्रिया दिए। फिर एक दिन वे आपसे कहेंगे, आपकी दो साल पहले की गई वह पोस्ट पढ़ी थी, तभी से आपके साथ जुड़ना चाहता था। भारत में 140 करोड़ पर्सनल ब्रांड हैं। सवाल है, कौन इसे कैसे 'कैरी' करता है। ऐसा नहीं है कि सिर्फ उद्योगपति, खिलाड़ी या अभिनेता-नेता ही पर्सनल ब्रांड हैं, आप अगर नौकरी भी करते हैं, तब भी आप एक पर्सनल ब्रांड हैं। एक से दूसरी संस्था में जाने पर वह संस्था आपके साथ नहीं जाती, आपका पर्सनल ब्रांड साथ जाता है। इसलिए अपने पर्सनल ब्रांड में निवेश कीजिए, यह अच्छा इन्वेस्टमेंट है। सोशल मीडिया तेजी से ऐसे ब्रांड गढ़ रहा है।

– दीपक गोयल, टिप्पणीकार

सिर्फ छवि ध्वस्त करने का यह माध्यम

सोशल मीडिया आज के युग की एक बड़ी सच्चाई है। मगर कई मामलों में यह खतरनाक दानव साबित हो रहा है। अभी तक यह किसी जिम्मेदार तंत्र के नियंत्रण में नहीं है, ताकि इस पर पोस्ट की जाने वाली सामग्रियों की प्रामाणिकता की जवाबदेही तय की जा सके। किसी पोस्ट के राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय मामला बनने पर ही सरकारी या गैर-सरकारी हस्तक्षेप से संबंधित सामग्री का नियमन होता है, वह भी नाममात्र का। और जब तक नियमन की प्रक्रिया पूरी हो पाती है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। पोस्ट करने वाला अपने मूल उद्देश्य में, यानी आपकी छवि ध्वस्त करने के इरादे में सफल हो चुका होता है। सोशल मीडिया पर अक्सर भ्रामक जानकारियां पोस्ट की जाती हैं। अगर आप उन पर भरोसा करते हैं या उनको साझा करते हैं, तो आपकी छवि को गहरा धक्का लग सकता है। इस माध्यम के सबसे बड़े खलनायक हैकर्स हैं, जो आपकी निजी जानकारियों या संदेशों तक पहुंच जाते हैं।

सोशल मीडिया का बहुत ज्यादा उपयोग अवसाद, तनाव जैसी स्वास्थ्य समस्याएं पैदा कर सकता है। इसके विभिन्न मंचों पर अक्सर ऐसी तस्वीरें चर्चा बटोरती हैं, जो वास्तविक नहीं होतीं। इन तस्वीरों के देखकर आप संबंधित व्यक्ति के बारे में गलत धारणा बना सकते हैं। इस पर लोग अक्सर दूसरों की तुलना में अपने जीवन को खुशहाल दिखाने की कोशिश करते हैं। इससे आप कुंठा के शिकार हो सकते हैं। आजकल मेट्रो में आप देखें, हर यात्री अपने मोबाइल में फेसबुक, इंस्टाग्राम या वाट्सएप ग्रुप में डूबा मिलेगा। कोई किसी से संवाद करता हुआ कम दिखता है। इस तरह ये मंच दिन-ब-दिन आपको दूसरों से काट रहे हैं। ऐसे में, आपमें अकेलापन और अलगाव की भावनाएं मजबूत हो सकती हैं, जिनसे आपको नुकसान ही होगा। सोशल मीडिया पर यदि आपने गलत जानकारी साझा की या कोई फर्जी वीडियो या फोटो पोस्ट की, तो बेमतलब कानूनी पचड़े में फंस सकते हैं।

सोशल मीडिया युवाओं के लिए अविश्वसनीय रूप से हानिकारक साबित हो रहा है। पश्चिम में कई शोध इसका खुलासा कर चुके हैं। ऑस्ट्रेलिया समेत कई देश इसके नियमन के ठोस कानून बना रहे हैं। बच्चों का स्क्रीन पर ज्यादा समय न सिर्फ उनकी आंखों को प्रभावित कर रहा, बल्कि उन्हें उन व्यावहारिक ज्ञान से दूर कर रहा, जो जिंदगी भर काम आते हैं। इसीलिए यह जरूरी है कि सोशल मीडिया से पर्याप्त दूरी बरती जाए। हमें लोगों को सोशल मीडिया की सीमाएं बताने, इसके उपयोग का मॉडल बनाने और बच्चों को इसका सुरक्षित उपयोग सिखाने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है।

– निरंजन दास, टिप्पणीकार

गोर्खाली सुधार सभा, शाखा हरिद्वार का तृतीय वार्षिक अधिवेशन सम्पन्न

कार्यालय संवाददाता

हरिद्वार। गोर्खाली सुधार सभा की हरिद्वार शाखा का तृतीय वार्षिक अधिवेशन सफलतापूर्वक रानीपुर में सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम अधिवेशन में उपस्थित मुख्य अतिथि केंद्रीय अध्यक्ष पदम सिंह थापा, महामंत्री गोपाल क्षेत्री, शाखा अध्यक्ष शमशेर बहादुर बम, कर्नल अनिल थापा, सांस्कृतिक सचिव कै. वाई.बी.थापा, माया घले शाखा अध्यक्ष ऋषिकेश एवं गीता भंडारी सचिव छिद्रवाला ने संयुक्त रूप से मंत्रोच्चारण के बीच दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

तत्पश्चात् शाखा अध्यक्ष शमशेर बहादुर बम ने गत वर्ष के कार्यो व आय-व्यय का सम्पूर्ण लेखा जोखा का ब्यौरा भी उपस्थित सदस्यों के सम्मुख रखा। उन्होंने समाज व राष्ट्र की एकता के लिए समुदाय के सभी लोगों से एकजुट होने एवं अधिक से अधिक संख्या में सदस्य बनने का आह्वान किया।

महामंत्री गोपाल क्षेत्री ने कहा कि सभा छात्रों व युवाओं को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिये समय-समय पर सम्मानित करती रहती है इसके लिय सदस्यों को संबंधित शाखा अध्यक्ष व पदाधिकारियों से संपर्क रखना होगा। हमें अपनी ऐतिहासिक धरोहर को बचाये रखना है इसके लिये आने वाली पीढ़ी को संस्कृति व परंपरा का ज्ञान कराना आवश्यक है।

अधिवेशन के मुख्य अतिथि केंद्रीय अध्यक्ष पदम सिंह थापा ने शाखा के कार्यों की भूरि-भूरि सराहना की एवं भविष्य में भी इसी प्रकार सहयोग की आशा व्यक्त की। उन्होंने कहा कि गोर्खाली

सुधार सभा देश के उन गिने-चुने पवित्र संस्थाओं में से एक है जो समाज हित में निःस्वार्थ सेवाभाव से सेवारत है। यह संस्था सम्पूर्ण भारतवर्ष में गोरखा समुदाय की सबसे पुरानी संस्थाओं में से एक है। गोरखा समुदाय का देश के विकास में

❑समुदाय को अपनी संस्कृति व संस्कार के प्रति जागरूक होना होगाः पदम

हर क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। हमें राजनीतिक व सामाजिक क्षेत्र में सशक्त होना होगा, तभी हमारा भविष्य उज्जवल होगा।

कर्नल अनिल थापा महाप्रबंधक डीएलएफ ने सभा द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना करते हुये कहा कि डीएलएफ ने कहा कि संस्था सीएसआर के अंतर्गत समाज हित मे कार्यरत है। विशेष महिला सशक्तिकरण के लिये पर्वतीय क्षेत्रों में जहां रोजगार का कोई साधन उपलब्ध नहीं है, वहां पर घर पर ही महिलाओं को अपनी आजीविका चलाने के लिये संसाधन उपलब्ध कराये जाते हैं। साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर लेकिन योग्य छात्रों को उनका भविष्य संवारने में भी मदद करता है। साथ ही उन्होंने प्रशांत शर्मा बी.टैक के छात्र को लैपटॉप देकर सम्मानित किया।

डा.पदम प्रसाद सुवेदी ने कहा कि गोर्खाली सुधार सभा एक ऐतिहासिक संस्था है और इसका सदस्य होना अपने आप में गर्व की बात है। हम सभी को सभा का सदस्य बनकर एकजुटता प्रदर्शित करनी चाहिये।

डा.संजय शाह मेडिकल डायरेक्टर स्वामी रामप्रकाश चौरिटेबल हास्पिटल ने कहा कि समाज को अपनी पहचान को बनाये रखने के लिये सोच में भी परिवर्तन लाना होगा। मातृ-भूमि की रक्षा के लिये जब भी जरूरत पड़ी गोरखा सैनिकों ने प्रथम पंक्ति में खड़े होकर अदम्य साहस का परिचय देते हुये दुश्मनों को सबक सिखाया है। स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के लिये अपने सूझाव देते हुये उन्होंने कहा कि हमें अपने खान-पान में विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है।

जलभराव व बाढ़ आने की सूचना पर किया मॉकड्रिल

संवाददाता

देहरादून। अतिवृष्टि के चलते जिला प्रशासन ने मॉलड्रिल कर विभागों को सक्रिय किया।

आज यहां जनपद में अतिवृष्टि के चलते चार स्थानों पर जलभराव एवं बाढ़ आने व जानजीवन प्रभावित होने की सूचना कंट्रोल रूम में करीब नौ बजे प्राप्त होते ही जिलाधिकारी सविन बंसल ने तत्काल आईआरएस सिस्टम को सक्रिय करते हुए आईआरएस से जुड़े सभी अधिकारियो को सक्रियता से राहत एवं बचाव कार्य सम्पादित करने के दिशा निर्देश दिए। जिलाधिकारी के निर्देश पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व के. के. मिश्रा द्वारा कंट्रोलरूम से सभी एसडीएम एवं आईआरएस सिस्टम से जुड़े रेखीय विभाग के अधिकारियों के मौजूदगी में सम्पादित राहत एवं बचाव कार्य का वर्चुअल अवलोकन करते हुए। साथ ही चारों स्थानों पर तैनात तहसील स्तर के इंसिडेंट कमांडर को आवश्यक निर्देश दें रहे है। प्राप्त सूचना के अनुसार ऋषिकेश त्रिवेणी घाट में अधिक जल प्रवाह/ गंगा नदी पर बाढ़ आने से एक यात्री के बहने की सूचना पर बचाव टीम मौके पर रवाना हुई तथा यात्री को निकाल दिया गया है, जो घायल है को निकट के अस्पताल भेजा दिया गया है। केशवपुरी बस्ती डोइवाला में जल भराव

से 03 घरों मे पानी घुस गया है जल भराव की स्थिति बनी हुई है। विकासनगर में जल स्तर बढ़ने से दो लोगों की बहने की सूचना पर टीम, पुलिस 108 सेवा एवं एसडीआरएफ को मौके पर रवाना हुई एक और व्यक्ति को निकाल दिया गया है जिसको निकट हास्पिटल ले गया।

बेहद फायदेमंद है सोयाबीन, जानिए इसके फायदे

अगर अब तक आप सोयाबीन की सब्जी व व्यंजन खाना कम पसंद करते हैं। तो जो फायदे हम बताने जा रहे हैं, उन्हें जानने के बाद आप

सोयाबीन आज से ही खाना शुरू कर देंगे। प्रोटीन और कई पोषक तत्वों से भरपूर सोयाबीन और उसके व्यंजनों को आप मजेदार स्वाद के लिए जरूर खाते होंगे, लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह सोयाबीन सेहत और सौंदर्य से जुड़े बेहतरीन फायदे भी दे सकता है। जानिए सोयाबीन के यह फायदे -

1 सोयाबीन में प्रोटीन, कैल्शियम, फाइबर, विटामिन ई, बी कॉम्लेक्स, थाइमीन, राइबोफ्लेविन अमीनो अम्ल, सैपोनिन, साइटोस्टेरोल, फेनोलिक एसिड एवं अन्य कई पोषक तत्व होते हैं जो फायदेमंद होते हैं।

2 इसमें भरपूर मात्रा में आयरन होता है जो खास तौर से महिलाओं के लिए बेहद फायदेमंद है और एनिमिया व ऑस्टियोपोरोसिस से बचाने में लाभप्रद है। वहीं कमजोरी होने पर भी यह बेहद असरदार है।

3 सोयाबीन हड्डियों के लिए लाभदायक है। यह हड्डियों को पोषण देता है जिससे वे कमजोर नहीं होती और हड्डी टूटने का खतरा भी कम होता है। इसका सेवन हड्डियों की सघनता को बढ़ाने में सहायक है।

4 ब्लडप्रेशर की समस्या होने पर सोयाबीन का सेवन फायदेमंद होता है। खास तौर से ब्लडप्रेशर बढ़ने की स्थिति में इसका सेवन ब्लडप्रेशर को नियंत्रित कर उसे बढ़ने से रोकता है।

5 डाइबिटीज रोगियों के लिए भी यह कमाल का असर करता है और रक्त में शर्करा की मात्रा को नियंत्रित कर उसे बढ़ने से रोकता है। इस तरह से आपकी डाइबिटीज नियंत्रण में रहती है।

अपने आशियाने को यूं दें नया अंदाज

'छोटा सा घर है ये मगर तुम इसको पसंद कर लो' इस गाने की पंक्तियां तो आपको याद ही होंगी। एक प्यारे से आशियाने की चाह हर किसी में होती है। पर अपने घर को बार-बार नया लुक देना जेब पर कई बार भारी पड़ जाता है। ऐसे में पुराने फर्नीचर व अन्य एक्सेसरीज को फिर से नया रूप देकर आप अपने घर को नए अंदाज में खूबसूरती से सजा सकते हैं। अतिरिक्त खर्च किए अपने पुराने फर्नीचर और एक्सेसरीज को नया रूप देने के कुछ खास उपाय सिर्फ आपके लिए-

अपने पुराने फर्नीचर को नया अंदाज देने के लिए उन्हें चमकीले रंगों से फिर से पेंट करें। या आप इनके लिए रंगीन अपहोल्स्ट्री का प्रयोग करके भी इन्हें नया रूप दे सकते हैं। अगर आपके पास कोई पुरानी कॉफी टेबल है जो पुरानी होने के कारण अब बेकार लगने लगी है तो उसे एक शानदार बेंच बना सकते हैं। इसके लिए टेबल के फ्रेम को पेंट करें और ऊपर एक आरामदायक कुशन लगा दें।

अगर आपकी पुरानी प्लेट्स या मग्स में दरारें पड़ गई हैं तो उन्हें तोड़कर फूलदान या साइड टेबल पर खूबसूरत आकृतियों में चिपकाएं। अपनी पुरानी सीढ़ी में हर पायदान पर कुछ लकड़ी के फट्टे रखें। इस प्रकार आप अपना रस्टिक बुक शेल्फ तैयार कर सकते हैं। घर में पड़ी जैम और अचार की खाली बोतलों को भी फेंकने की जगह उन्हें बेहद खूबसूरत रूप दिया जा सकता है। इनसे खूबसूरत लैंप शेड बनाकर घर के किसी कोने को रोशन किया जा सकता है या आप इन्हें कमरे की छत पर भी लगा सकते हैं।

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *साध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

—प्रबंधक विज्ञापन

फैशन स्टेटमेंट है घड़ी, इसे खरीदते समय इन बातों का रखें ध्यान

घड़ी न केवल समय देखने का साधन है, बल्कि यह एक फैशन स्टेटमेंट भी हो सकती है। सही घड़ी चुनना एक कला है, जो आपके व्यक्तित्व को निखार सकती है।

आजकल बाजार में कई तरह की घड़ियां उपलब्ध हैं इसलिए सही विकल्प चुनना थोड़ा मुश्किल हो सकता है।

आइए जानते हैं कि घड़ी खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए ताकि आपके लिए सबसे उपयुक्त घड़ी का चयन हो सके।

बजट तय करें

घड़ी खरीदने से पहले सबसे पहले अपना बजट तय करें।

बाजार में अलग-अलग कीमत की घड़ियां उपलब्ध होती हैं इसलिए अपने बजट के अनुसार ही खरीदारी करें। इससे आपको सही विकल्प चुनने में आसानी होगी और आप बिना किसी परेशानी के अपनी पसंदीदा घड़ी खरीद सकेंगे।

इसके अलावा बजट तय करने से आप अनावश्यक खर्चों से भी बच सकते हैं और अपनी आवश्यकताओं के अनुसार सबसे उचित घड़ी का चयन कर सकते हैं।

उपयोग का तरीका समझें

घड़ी खरीदते समय यह सोचें कि आप इसका उपयोग कैसे करेंगे। क्या आप इसे रोजमर्रा के जीवन में पहनेंगे या खास मौकों पर ही पहनेंगे?

रोजमर्रा के उपयोग के लिए ऐसी घड़ी चुनें, जो आरामदायक हो और लंबे समय तक चले, वहीं खास मौकों पर पहनने के लिए आप ऐसी घड़ी चुन सकते हैं, जो 'यादा चमकदार और आकर्षक दिखे।

इससे आपकी घड़ी आपकी जीवनशैली के अनुरूप होगी और आपको सबसे बेहतर लगेगी।

आकार और डिजाइन पर ध्यान दें

घड़ी का आकार और डिजाइन भी बहुत अहम होता है। आपकी कलाई के आकार के हिसाब से घड़ी चुनें ताकि वह अ' छी लगे और आरामदायक महसूस हो।

छोटे हाथों वालों के लिए छोटी डायल वाली घड़ी बेहतर होती है, जबकि बड़े हाथों वालों के लिए बड़ी डायल वाली घड़ी अ' छी लगती है।

इसके अलावा घड़ी का डिजाइन भी महत्वपूर्ण होता है। सरल और सुंदर डिजाइन हमेशा अ' छा विकल्प होता है, जो हर मौके पर जचता है।

ब्रांड पर ध्यान दें

घड़ी खरीदते समय उसके ब्रांड पर भी ध्यान देना चाहिए।

लोकप्रिय और भरोसेमंद नाम की घड़ियां आमतौर पर अ' छी गुणवत्ता वाली होती हैं और उनकी सेवा भी आसानी से मिल जाती है। इससे आपकी घड़ी लंबे समय तक सही काम करती रहती है और आपको बार-बार परेशानी नहीं होती है।

इसके अलावा ब्रांडेड घड़ियां अक्सर फैशनेबल होती हैं, जो आपके लुक को और भी खास बना सकती हैं। इसलिए ब्रांड का चयन सोच-समझकर करें।

वारंटी सुविधा देखें

अंतिम लेकिन जरूरी बात यह है कि घड़ी खरीदते समय उसकी वारंटी और सेवा सुविधा जरूर देखें।

अ' छी वारंटी वाली घड़ी खरीदना बेहतर होता है क्योंकि इससे आपको किसी भी तरह की खराबी पर तुरंत मदद मिलती रहती है।

इसके अलावा सेवा सुविधा भी महत्वपूर्ण होती है, जिससे आपकी घड़ी जल्दी खराब नहीं होती।

इस प्रकार इन सभी बातों का ध्यान रखकर आप अपनी पसंदीदा घड़ी खरीद सकते हैं, जो आपके व्यक्तित्व को निखारने में मदद करेगी। (आरएनएस)

शब्द सामर्थ्य -89

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. भारत के वर्तमान वित्तमंत्री 6. हित, उपकार 7. असमान, पूर्वोत्तर का एक राज्य 8. किसी वस्तु व्यक्ति आदि के पहचान सूचक संबोधन का शब्द, संज्ञा 10. शवस्थल पर बनाया गया मकान, योग का अंतिम अंग, तपस्या 13. इंकार करना, ना कहना 14. पिता, क्लर्क, सम्मानीय व्यक्ति 15. आय पर लगने वाला टैक्स, इंकमटैक्स 16. प्रतिद्वंद्वी, प्रेमिका का दूसरा प्रेमी 17. परंपरा, रीति, रिवाज 20. रुप से युक्त, चिह्न, लक्षण, नाटक, एक साहित्यिक अलंकार 23. लोग, प्रजा 25. नामी, नामवर, प्रसिद्ध 27. संसार का स्वामी, बादशाह, सम्राट, ईश्वर 28. फैलाना, खिंचाव पैदा करना।

ऊपर से नीचे

1. मारना, प्रहार करना, आघात करना 2. मिथ्याअभिमान, आडंबर 3. विपत्ति, आफत 4. मालदार, धनवान, अमीर 5. ज्ञान प्राप्त करना, अनुमान लगाना, कल्पना करना 7. हक 9. विवश, लाचार 11. मानकंद, नापने का पैमाना 12. अपमानित और तिरस्कृत 17. संतान उत्पन्न करने की क्रिया, जन्म देने की क्रिया 18. लंबे कपड़े का गट्ठा, पशुओं को रखने की जगह 19. जलयान, वायुयान, जलपोत 21. आश्रय, सहारा 22. थोड़ा, जरा, तनिक 24. जुर्म, गुनाह 26. बाघ की तरह का धारीदार हिंसक एवं विशाल पशु।

1		2	3	4		■	■	5
	■	6			■	7		
8	9	■	■	10	11		■	
■		■	12	■	13			
14		■	15				■	■
■	16			■	■	■	17	18
19	■	■	20	21	22	■	23	
	■	24	■	25		26		■
27					■	28		

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 88 का हल

भू	कं	प	■	फा	य	दा	■	स
प	■	ल	ला	ट	■	य	ती	म
ति	ल	क	■	क	न	क	■	झ
■	क्ष्म	■	■	■	रे	■	■	■
ग	ण	क	■	सं	श	य	■	सौ
ह	■	या	च	क	■	म	न्न	त
रा	क्ष	स	■	र	क्ष	क	■	न
■	त्रि	■	■	■	मि	■	■	■
शा	य	री	■	का	त	र	■	गो

गोलमाल 5 की रिलीज डेट आउट!

गोलमाल के फैंस अब सातवें आसमान पर जा सकते हैं क्योंकि रिपोर्ट्स के मुताबिक उनकी फेवरेट फ्रेंचाइजी की पांचवीं किस्त गोलमाल 5 पर काम चल रहा है। यह अब तक की सबसे लोकप्रिय और सुपरहिट फ्रेंचाइजी में से एक है। कुछ हफ्ते पहले, जॉनी लीवर ने भी गोलमाल 5 पर काम चलने की हिंट दी है। जोनें फिल्म की रोमांचक अपडेट्स के बारे में।

रिपोर्ट के अनुसार, रोहित शेट्टी गोलमाल 5 के लिए अजय देवगन के साथ फिर से जुड़ने के लिए तैयार हैं। बता दें यह फिल्म फरवरी/मार्च 2026 तक फ्लोर पर आ जाएगी और 2027 की पहली छमाही में बड़े पर्दे पर आएगी। रोहित शेट्टी फिलहाल मुंबई में जॉन अब्राहम के साथ राकेश मारिया की बायोपिक की शूटिंग कर रहे हैं और सितंबर 2025 तक इसे खत्म कर देंगे। वे इस साल के अंत तक एडिट को लॉक करने के लिए तैयार हैं, ताकि 2026 की शुरुआत में इसे रिलीज किया जा सके। राकेश मारिया की बायोपिक पर काम पूरा करने के तुरंत बाद, रोहित गोलमाल 5 की तैयारी में लग जाएंगे और इसे फरवरी/मार्च 2026 तक फ्लोर पर ले जाएंगे।

दूसरी ओर राइटर्स गोलमाल 5 की स्क्रिप्ट पर काम कर रहा है जिसे सितंबर 2025 तक लॉक किए जाने की उम्मीद है। रोहित शेट्टी द्वारा निर्देशित गोलमाल सीरीज कुछ दोस्तों के इर्द-गिर्द घूमती है, जिनके किरदार ड्रामा और कॉमेडी से भरपूर हैं। इसकी पहली चार फिल्मों गोलमाल: फन अनलिमिटेड (2006), गोलमाल रिटर्न्स (2008), गोलमाल 3 (2010), और गोलमाल अगेन (2017) को दर्शकों का खूब प्यार मिला और अब दर्शक इसकी पांचवीं किस्त का इंतजार कर रहे हैं। कास्ट की बात करें तो फिल्म में अजय देवगन के साथ अरशद वारसी, तुषार कपूर, कुणाल खेमू, श्रेयस तलपड़े और जॉनी लीवर जैसे कलाकार फिर से नजर आएंगे। बाकी की चीजें ऑफिशियल अनाउंसमेंट के बाद सामने आएंगी।

अक्षय कुमार और अरशद वारसी दोनों इस फिल्म में एक साथ नजर आएंगे। जिससे कॉमेडी और कोर्ट रूम ड्रामा का मजा दोगुना हो जाएगा। इसे सुभाष कपूर ने लिखा और निर्देशित किया है। यह जॉली एलएलबी सीरीज की तीसरी किस्त और जॉली एलएलबी 2 की अगली कड़ी है। फिल्म में अक्षय कुमार, अरशद वारसी, अमृता राव, हुमा कुरैशी, सौरभ शुक्ला और अन्नू कपूर हैं।यह फिल्म 19 सितंबर 2025 को रिलीज होने वाली है।

लोकप्रिय हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी की तीसरी किस्त कंफर्म हो चुकी है और इसे अगस्त 2027 में रिलीज किया जाना तय है। यह फिल्म मैडॉक सुपरनैचुरल सिनेमैटिक यूनिवर्स का हिस्सा है। इसमें श्रद्धा कपूर, राजकुमार राव, पंकज त्रिपाठी, अभिषेक बनर्जी और अपारशक्ति खुराना के अपने किरदारों को फिर से निभाने की उम्मीद है। अक्षय कुमार के भी खलनायक के रूप में वापसी करने की पुष्टि हो चुकी है। इसकी कहानी स्त्री 2 के क्लाईमैक्स के आगे की कहानी हो सकती है।

वेलकम एक भारतीय कॉमेडी फिल्म सीरीज है, जिसका निर्माण फिरोज नाडियाडवाला ने किया है और इसका निर्देशन अनीस बज्मी ने किया है। इसका पहला पार्ट वेलकम 21 दिसंबर 2007 को रिलीज हुआ था और दूसरा भाग वेलकम बैक 4 सितंबर 2015 को रिलीज हुआ था। वेलकम टू द जंगल इसका तीसरा पार्ट है और यह 26 दिसंबर 2025 को रिलीज होने वाला है।

हेरा फेरी फिल्म सीरीज की तीसरी किस्त है, जिसमें अक्षय कुमार, परेश रावल और सुनील शेट्टी अपने किरदारों को निभाने के लिए तैयार हैं। फिल्म का निर्देशन प्रियदर्शन ने किया है और इसका निर्माण फिरोज ए। नाडियाडवाला ने किया है। हालांकि 2026 में रिलीज होने की अटकलें थीं, लेकिन उम्मीद है कि 2026 के तक प्रोडक्शन का काम पूरा हो जाएगा और 2027 में रिलीज होने की उम्मीद है।

समंदर किनारे दिखा प्रिया प्रकाश का स्टनिंग अंदाज़

आंख मारकर सोशल मीडिया पर तहलका मचाने वाली एक्ट्रेस प्रिया प्रकाश वारियर एक बार फिर अपने लेटेस्ट फोटोशूट से चर्चा में हैं।

एक्ट्रेस ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर बीच वेकेशन की कुछ ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जिसमें वह बिकिनी टॉप और ब्लैक शॉर्ट्स में समंदर किनारे पोज देती नजर आ रही हैं।

प्रिया ने अपनी इस पोस्ट के कैप्शन में लिखा, मेरी उदासी को रोमांटिक बनाना। नीले समंदर की लहरों के बीच फूल लगाए बालों में वो बेहद खूबसूरत और फ्रेश लग रही हैं। उनकी इन तस्वीरों को अब तक हजारों लाइक्स मिल चुके हैं और फैंस जमकर तारीफ कर रहे हैं।

यूजर्स ने कमेंट सेक्शन में उन्हें मरमेड क्वीन, हॉटनेस ओवरलोड और प्रियाआह जैसे कमेंट्स किए हैं। प्रिया का ये स्टाइलिश और बोल्ड अवतार न सिर्फ उनकी फैशन सेंस को बयां करता है बल्कि ये भी दिखाता है कि वह हर लुक में कॉन्फिडेंस के साथ खुद को प्रेज़ेंट करना जानती हैं।

प्रिया प्रकाश वारियर सोशल मीडिया पर बेहद एक्टिव हैं और समय-समय पर अपने फैंस के साथ पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ की झलकियां साझा करती रहती हैं। उनकी ये लेटेस्ट बीच तस्वीरें इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रही हैं और फैंस को उनका ये अवतार बेहद पसंद आ रहा है।

प्रिया का यह बीच लुक एक परफेक्ट समर स्टाइल इंस्पिरेशन है। उनके नेचुरल स्माइल, सिंपल ऐक्सेसरीज़ और हल्के मेकअप ने उनके लुक को और भी अट्रैक्टिव बना दिया है।

जान्हवी कपूर का बोल्ड अवतार वायरल

बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर एक बार फिर अपने ग्लैमरस और बोल्ड लुक से सोशल मीडिया पर सनसनी मचा रही हैं। एक्ट्रेस ने हाल ही में अपनी कुछ नई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर की हैं, जिनमें वह बेड पर बैठकर हॉट पोज देती नजर आ रही हैं। इस फोटोशूट में जान्हवी ने ब्लैक ऑफ-शोल्डर ड्रेस पहनी है जिसमें वह बेहद सिज़लिंग और स्टनिंग लग रही हैं। इस फोटो सीरीज में जान्हवी के एक्सप्रेशंस से लेकर उनके हेयरस्टाइल और मेकअप तक, सब कुछ परफेक्ट लग रहा है। उनका सेक्सी अंदाज़ और ग्लैमरस एटीट्यूड फैन्स को दीवाना बना रहा है। जान्हवी ने पोस्ट के कैप्शन में सिर्फ एक प्यारा सा इमोजी शेयर किया, लेकिन उनके लुक ने ही सब कुछ कह दिया।

इस पोस्ट पर उनकी बहन खुशी कपूर से लेकर अनिल कपूर और फैशन ब्रांड्स तक ने कमेंट्स की बौछार कर दी है। फैन्स भी जान्हवी की तारीफ करते नहीं थक रहे। किसी ने उन्हें मुजसे शादी करोगी? लिखा तो किसी ने कहा बॉलीवुड की अगली फैशन क्वीन।

जान्हवी कपूर का यह बोल्ड और स्टाइलिश फोटोशूट एक बार फिर यह साबित करता है कि वह सिर्फ एक्टिंग में ही नहीं, बल्कि फैशन और स्टाइल के मामले में भी एक ट्रेंडसेटर बन चुकी हैं।

इंटरनेट युग में मानव साम्यता, उसका तकनीकी कौशल और मनोविज्ञान

अजय दीक्षित

गूगल हेड क्वाटर में कैंपस के लोन की बढ़ी हुई घास काटने के लिए मशीनों का इस्तेमाल नहीं किया जाता है बल्कि बकरियों को लोन में छोड़ देते हैं ताकि लोन की घास एक सीमा से अधिक नहीं बढ़ सके। ऐसा इस लिए किया जाता है क्योंकि घास काटने की मशीनों से कंपन होता है और उससे कंपनी के कर्मचारियों, अधिकारियों में चिड़चिड़ापन महसूस होता है जो उनकी कार्य क्षमता ब दक्षता को प्रभावित करता है।

मेरे एक मित्र कैलिफोर्निया के शहर लॉस एंजिल्स में रहते और गूगल में सॉफ्ट वेयर इंजीनियर हैं, उन्होंने यह वाकया सुनाया कि बड़े संस्थान अपने कर्मचारियों के मनोविज्ञान को पढ़ने और संतुलित करने के लिए क्या क्या नहीं करते हैं। मुझे यह सुनकर अचरज नहीं हुआ क्योंकि यह बात सही है कि संस्थानों में बेहतर व्यवस्था के लिए मनोविज्ञान के चिकित्सक रखे जाते हैं जो समय समय पर बिना परीक्षण किए नए नए तकनीकी कौशल के लिए प्रबंधन को सुझाव देते हैं।यह भी एक मनोविज्ञान है।ये मनो एक्सपर्ट कर्मचारियों, अधिकारियों के घरों का दौरा भी जब करते हैं तब उन्हें ऐसा लगता है कि उक्त कर्मचारी या अधिकारी की कार्य क्षमता ब दक्षता का उपयोग ठीक ढंग से नहीं हो पा रहा है।

ये विशेषज्ञ उनके घर जा कर उनकी पत्नी, बच्चों से बात करते हैं और यहां तक कि पर्दा के रंग, सोफे का रंग, रसोई की स्थिति को भी कंपनी की ओर से बदल बाते है लेकिन मामला कर्मचारियों, अधिकारियों के संज्ञान में लाए बिना।

सेनफ्रांसिस्को में अमेजॉन नामक बहुद्देशीय,कंपनी का मुख्यालय है उसने अपने कर्मचारियों, अधिकारियों की कोई ड्रेस नहीं बनाई है न ही प्रबंधन प्रतिदिन इनसे रूबरू होता है और बस क्या कार्य करना यह तय होता है और उसे बड़े बारीकी से जांचा जाता है और तब उसकी क्षमता,का कार्य कार्य जाता है।इन कर्मचारियों अधिकारियों को एक से पांच करोड़ रुपए के पैकेज पर काम दिया गया है।

यूरोपीय देशों में जर्मनी फ्रांस, इटली, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया,अमेरिका, में ऐसा नियमित रूप से होता है। कर्मचारियों अधिकारियों के छुट्टी के दिन तय है और उस दिन उन्होंने किया किया इसका भी परीक्षण किया जाता है।अमेरिका,इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका, फ्रांस इटली

बेल्जियम में क्रायोजेनिक इंजन, बोइंग , लड़ाकू विमानों, रॉकेट, नए नए तकनीकी संचार,बनाए जाते हैं। और इन उत्पादों को बनाने के उन्नत किस्म का माहौल बनाया जाता है

वेस्टलैंड हेलीकॉप्टर बनाने वाली कंपनी अगस्ता वेस्टलैंड का मुख्यालय मिलान इटली में है और शहर से 50 किलो मीटर दूर है लेकिन कर्मचारियों, अधिकारियों को सुविधाएं पांच सितारा हैं।

भारत में कुछ इस प्रकार का माहौल तो नहीं है लेकिन इसरो, आईआईटी, एम्स ने इस दिशा में कुछ कार्य किया है ऐसा पूर्व राष्ट्रपति स्व अब्दुल कलाम ने लिखा भी है कि इसरो के वैज्ञानिकों को सरोद सुबह और वायलिन रात्रि को सोने से पहले बजा कर मेडिटेशन लेने का अनुरोध किया था ताकि

प्रयोगशाला ध्यान विचलित न हो हताशा न आए क्योंकि मिसाइल और उपग्रह ऐसे क्षेत्र हैं जहां सफलता सौ बार असफल होने के बाद भी मिल जाय तो आप प्रवीण्य हो।

लेकिन बढ़ती जनसंख्या दबाव के चलते भारत को अभी दिल्ली दूर ही दिख रही है। मनोविज्ञान कैसा है यह कार्यकुशलता पर प्रभाव पड़ता है। राजनीतिक क्षेत्र में भी

ऐसे नेता जो कम बोलते हैं,सटीक बोलते हैं, जनता से आंखें मिला कर बात करते हैं अधिक सफल होते हैं। एस जयशंकर, राजनाथ सिंह, अश्वनी वैष्णव, पियूष गोयल, शिवराज सिंह, और सबसे बड़े प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सफल नेता हैं। इस प्रकार की प्रशिक्षण रैली या लोको पायलट, पायलट, फाइटर जेट पायलट की भी होनी चाहिए। देश के मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर को भी चिड़चिड़ापन महसूस नहीं होना चाहिए।

आजकल इंटरनेट युग में मोबाइल भी एक जरूरत हो कर परेशानी का कारण भी बन गयी है।अब मिनिट तो मिनिट जानकारी चाहिए। इससे एक सीमा के बाद कोफ्त हो जाती है। घरों में सारगर्भित पेंटिंग लगाना,गमले उगाना ,बेल चढ़ाना, फूल उगाना , हरसिंगार,रातरानी,मोगरा,की खुशबू से घर को सराबोर करने से सकूं मिलता है। सबसे आश्चर्य यह कि दोपहर को एक घंटे की नीद से कार्य करने की अवधि बढ़ जाती है यह भी एक मनोविज्ञान है। मनुष्य काम (सेक्स) बिना अधूरा है और उसे यह खुराक आवश्यक है। ऐसा नहीं करने पर कुंठा का जन्म होता है।

अभी अफगानिस्तान में अमेरिका,इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया, की सेनाएं युद्ध में थी लेकिन सैनिकों के मनोरंज के लिए अमेरिका से सेक्स वर्कर्स को भेजा गया था और यह सत्य घटना है। (ये लेखक के अपने विचार हैं)

कई गुणों की खान है केसर, जानिए इससे मिलने वाले फायदे

दुनिया के सबसे महंगे मसालों में से एक केसर क्रोकस सैटिवस फूल या कहें कि केसर क्रोकस का हिस्सा है। ऐसा माना जाता है कि केसर के धागों की उत्पत्ति ईरान में हुई थी और इनका उपयोग औषधीय गुणों के कारण किया जाने लगा था। बता दें कि केसर शक्तिशाली एंटी-ऑक्सीडेंट समेत कई ऐसे गुणों की खान है, जो कई तरह के स्वास्थ्य लाभ देने में सक्षम है।

मूड को बेहतर करने में है कारगर :

केसर को सनशाइन मसाला भी कहा जाता है क्योंकि इसका सेवन मूड को बेहतर करने समेत अवसाद और चिंता का इलाज करने में काफी सहायक माना जाता है। केसर की पंखुड़ियां और धागे हल्के से मध्यम अवसाद से राहत दिला सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, केसर का अर्क मस्तिष्क में डोपामाइन के स्तर को बढ़ाता है और मस्तिष्क के हार्मोन्स जैसे सेरोटोनिन के स्तर को बदले बिना याददाश्त और एकाग्रता में सुधार करता है।

वजन घटाने में है सहायक : अस्वास्थ्यवर्धक स्नैकिंग वजन बढ़ने का एक प्रमुख कारण है और इससे कई खतरनाक हृदय रोग हो सकते हैं। शोध के अनुसार, केसर अस्वास्थ्यवर्धक स्नैकिंग को रोककर वजन घटाने को बढ़ावा देने और आपकी भूख को कम करने में अत्यधिक प्रभावी है। एक अध्ययन के अनुसार, जिन महिलाओं ने केसर का सेवन किया, उन्हें पेट भरा हुआ महसूस हुआ। उन्होंने प्लेसीबो समूह की महिलाओं की तुलना में अधिक वजन कम किया।

पीएमएस के लक्षणों को कम करने में है सहायक : पीएमएस यानी प्रीमेंस्ट्रुअल सिंड्रोम होने का मुख्य कारण पीरियड्स से पहले हार्मोन्स स्तर में बदलाव को माना जा सकता है। शोध के अनुसार, केसर पीएमएस के लक्षणों को सुधारने में मदद कर सकता है और आपको आराम का अनुभव करा सकता है। एक अध्ययन के अनुसार, 20 मिनट के लिए केसर को सूंघने से पीएमएस के लक्षणों समेत तनाव हार्मोन को कम करने में मदद मिल सकती है।

कैंसर के खतरे को कम करने में है मददगार : आवश्यक एंटी-ऑक्सिडेंट और क्रोसिन और क्रोसेटिन नामक दो प्रमुख कैरोटीनॉयड से समृद्ध केसर हानिकारक मुक्त कणों को बेअसर करने में मदद कर सकता है, जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारियों को उत्पन्न कर सकता है। टेस्ट-ट्यूब अध्ययनों के अनुसार, केसर और इसके यौगिक कोलन कैंसर कोशिकाओं के विकास को रोक सकते हैं या स्वस्थ कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाए बिना उन्हें खत्म कर सकते हैं।

त्वचा के लिए है बढ़िया : केसर आपकी त्वचा के लिए भी बहुत अच्छा है। केसर में मौजूद फ्लेवोनोइड यौगिक जैसे क्रेरसेटिन और केम्फेरोल आपकी त्वचा को सूरज की हानिकारक यूवी किरणों से बचाने में मदद कर सकते हैं। यह आपकी त्वचा को हल्का और निखारते हुए पिगमेंटेशन, भूरे धब्बे और अन्य त्वचा संबंधित समस्याओं को कम करने में भी मदद करता है। इन फायदों के लिए हल्दी वाले दूध में थोड़ा केसर मिलाकर इसे अपने चेहरे पर लगाएं।

सू- दोकू क्र.89

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.88 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

ब्रेकफास्ट न करने से बढ़ता है ब्रेन डैमेज का खतरा

ब्रेन डैमेज होना एक चोट है जो मस्तिष्क कोशिकाओं के विनाश का कारण बनती है। जब आपका मस्तिष्क जो आपके शरीर का नियंत्रण केंद्र है क्षतिग्रस्त हो जाता है, तो आपके विचार, स्मृति, संवेदना और यहां तक कि व्यक्तित्व भी गंभीर रूप से प्रभावित हो सकता है। इसलिए, अपने जीवन और शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करने के लिए उम्र बढ़ने के साथ-साथ स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं,ताकि शरीर के साथ-साथ ब्रेन भी हेल्दी बना रहे। आयुर्वेदाचार्य डॉ. ए के मिश्रा उन 5 खतरनाक आदतों के बारे में बता रहे हैं जिससे ब्रेन डैमेज होने का खतरा रहता है...

नमक का ज्यादा सेवन

जामा न्यूरॉलजी के जर्नल में प्रकाशित एक अध्ययन के मुताबिक नमक का अधिक सेवन हाई ब्लड प्रेशर के जोखिम को बढ़ा सकता है, जिसके परिणामस्वरूप याददाश्त में कमी और ब्रेन स्ट्रोक का खतरा बढ़ सकता है। स्ट्रोक का एक उच्च जोखिम आपके मस्तिष्क को काफी गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है।

ब्रेकफस्ट न करना

शोध बताते हैं कि ब्रेकफस्ट स्किप करना आपके मस्तिष्क को पर्याप्त पोषक तत्व प्राप्त करने से रोकता है, संज्ञानात्मक कार्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। यह मस्तिष्क को विनियमित करने से रोकता है, यह ब्रेन डैमेज की संभावना को बढ़ाता है।

मोबाइल का अधिक यूज

शोधकर्ताओं ने पुरुषों में नींद की गड़बड़ी और अवसादग्रस्तता लक्षणों के लिए उच्च मोबाइल फोन के उपयोग को जोड़ा है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) द्वारा किए गए एक अध्ययन में मोबाइल फोन विकिरण के लंबे समय तक संपर्क में रहने पर ब्रेन ट्यूमर का खतरा बढ़ सकता है।

नींद की कमी

एक अध्ययन में पाया गया कि नींद की कमी से मस्तिष्क को नुकसान हो सकता है और इसके परिणामस्वरूप प्रारंभिक स्मृति हानि या अल्जाइमर रोग हो सकता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि नींद मस्तिष्क को विषाक्त पदार्थों को साफ करने की अनुमति देती है जो कि जागने के घंटों के दौरान बन सकते हैं। लेकिन, यह प्रक्रिया तब नहीं होती है जब आप नींद से वंचित होते हैं, इस प्रकार मस्तिष्क क्षति होती है।

ओवरईटिंग से नुकसान

ओवरईटिंग न केवल आपका वजन बढ़ाता है, यह आपके मस्तिष्क के कार्य को भी कम कर सकता है। 2012 में अमेरिकन ऐकैडमी ऑफ न्यूरोलॉजी की वार्षिक बैठक में सुझाव दिया गया कि समय के साथ उच्च कैलरी का सेवन वास्तव में किसी व्यक्ति की स्मृति हानि के विकास को बढ़ा सकता है।

टैक्स बार एसोसियेशन चुनाव में अनिल अध्यक्ष योगेश बने महामंत्री

संवाददाता

ऋषिकेश। टैक्स बार एसोसिएशन के चुनाव में अनिल कुकरेती अध्यक्ष व योगेश ब्रेजा महामंत्री निर्वाचित हुए।

आज यहां टैक्स बार एसोसिएशन के चुनाव में अनिल कुकरेती अध्यक्ष व योगेश ब्रेजा महामंत्री निर्वाचित हुए। टैक्स बार एसोसियेशन ऋषिकेश का चुनाव राज्य कर कार्यालय बाईपास मार्ग ऋषिकेश में बार काउंसिल ऑफ उत्तराखंड द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक चैयरमेन राकेश गुप्ता एवं सदस्य अर्जुन सिंह भण्डारी एवं टैक्स बार एसोसियेशन ऋषिकेश के संरक्षक डीएन अग्रवाल, मुख्य चुनाव अधिकारी अरुण गुप्ता एवं सहायक चुनाव अधिकारी कृष्ण स्वरुप सिलस्वाल की देख रेख में चुनाव सम्पन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष पद पर एडवोकेट अनिल कुकरेती ने एडवोकेट जितेन्द्र सिंह भण्डारी को 20 मतों से हराकर विजय हासिल की। जबकि वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर एडवोकेट एच उपाध्याय एवं एडवोकेट सन्दीप कुमार के बीच टाई होने के पश्चात एच उपाध्याय विजयी हुए। सचिव पद पर युवा एडवोकेट योगेश ब्रेजा ने एडवोकेट भारत सिंह चौहान को 14 मतों से हराकर विजय हासिल की। कोषाध्यक्ष पद पर एडवोकेट मनोज कौशिक ने एडवोकेट सुनील कोठियाल को 22 मतों से हराकर विजय हासिल की। बार एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी और कार्यकारिणी को बार एसोसिएशन के एडवोकेटों ने बधाई एवं शुभकामनाएं दी। और इनके उज्जवल भविष्य की कामना भी की। नवनिर्वाचित अध्यक्ष अनिल कुकरेती व नवनिर्वाचित महामंत्री योगेश ब्रेजा ने सभी सदस्यों को विश्वास दिलाया कि वह निष्ठा ईमानदारी और कर्तव्य निष्ट से काम करेंगे।

समाजवादी पार्टी ने मनाया अखिलेश यादव का जन्मदिवस

संवाददाता

देहरादून। समाजवादी पार्टी ने पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष व उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का जन्म दिवस मनाया।

आज यहां समाजवादी पार्टी उत्तराखंड के प्रदेश कार्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार तथा पी डी ए के नायक अखिलेश यादव का जन्मदिन केक काट कर मनाया गया। इस अवसर पर समाजवादी चिंतक एवं सर्वोदय मंडल के अध्यक्ष डॉ. विजय शंकर शुक्ला को पुष्प गुच्छ तथा शाल भेंट कर सम्मानित किया गया। सभी ने राष्ट्रीय अध्यक्ष के दीर्घायु होने की कामना की तथा राजनीति में उनके द्वारा नए प्रयोग को सराहा गया। राष्ट्रीय सचिव सत्यनारायण सचान ने कहा कि अखिलेश यादव आज देश की राजनीति के केंद्र बिंदु बन गए हैं देश में उनको पी डी ए का नायक माना जाता है। आज समाजवादी पार्टी के सभी साथियों ने शपथ ली कि हम सभी लोग संविधान को तोड़ने वालों तथा जो संविधानिक पदों पर बैठे हैं वो लोग संविधान की प्रस्तावना से सेकुलरिज्म और समाजवाद शब्द को हटाने की बात कर रहे हैं उनके मंसूबों को हम लोग ध्वस्त ही नहीं करेंगे बल्कि उनके चरित्र को भी वे नकाब करेंगे। पिछले 11 साल से देश को सुनियोजित तरीके से धार्मिक उन्माद फैलाकर जातीय संघर्ष की रूपरेखा तैयार की जा रही है समाजवादी सोच के लोग उनके मंसूबों को कमियाब नहीं होने देंगे। इस अवसर पर पार्टी के राष्ट्रीय सचिव डॉक्टर सत्यनारायण सचान, महिला सभा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार श्रीमति आभा बड़थ्वाल, प्रदेश महासचिव अतुल शर्मा, ,श्रीमती हेमा बोरा, डॉक्टर आर के पाठक, गुड्डी चौधरी, आरिफ वारसी, लियाकत अब्बासी, शशि यादव, रामाशंकर यादव, अमित यादव, अनुराग कुकरेती, बदरूद दुजा, विजयलक्ष्मी, मधु राजपूत, ज्योत्सना रावत, डॉक्टर लक्ष्मी यादव, एचपी यादव, एडवोकेट हरवीर सिंह कुशवाहा, चौधरी महिपाल यादव, सुरेश यादव, नईम अहमद, डॉक्टर नसीर अहमद, सुमन आदि लोग शामिल रहे।

पंचायत क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता लागू

हमारे संवाददाता

पौड़ी। त्रिस्तरीय पंचायत सामान्य निर्वाचन-2025 के मद्देनजर जिले में आदर्श आचार संहिता लागू हो गयी है। राज्य निर्वाचन आयोग की अधिसूचना के अनुसार जनपद पौड़ी गढ़वाल के सभी पंचायत क्षेत्रों (नगरीय क्षेत्रों को छोड़कर) में जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा निषेधाज्ञा लागू कर दी गयी है।

जिला निर्वाचन अधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने बताया कि आदेश के अनुसार बिना अनुमति के किसी भी प्रकार की सभा, रैली, जुलुस, रोड शो या पांच से अधिक व्यक्तियों के समूह पर रोक रहेगी। चुनाव प्रचार के लिये ध्वनि यंत्रों का प्रयोग, सार्वजनिक स्थानों का उपयोग और प्रचार वाहनों का संचालन भी बिना अनुमति नहीं किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि धार्मिक स्थलों, विद्यालयों और अस्पतालों के पास लाउडस्पीकर बजाने पर रोक रहेगी।

प्रचार में पॉलिथीन या अन्य प्रतिबंधित सामग्री का प्रयोग नहीं किया जा सकेगा। बिना स्वीकृति किसी भी राजकीय

बिना अनुमति सभा, रैली, प्रचार पर रहेगी रोक

संपत्ति या निजी स्थल पर पोस्टर-बैनर नहीं लगाये जा सकेंगे। इसके अलावा किसी भी प्रकार की अफवाह, भड़काऊ बयान, जाति या धर्म के नाम पर मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास, डराने-धमकाने, उपहार या धन का प्रलोभन देने तथा भोजन पार्टी आदि पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। साथ ही मतदान दिवस पर मतदाताओं को वाहनों से लाने-ले जाने की अनुमति भी नहीं होगी। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान केंद्रों से 200 मीटर के दायरे में प्रत्याशी या उसके समर्थकों का प्रवेश पूर्व रूप से प्रतिबंधित रहेगा। यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है और अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा।

सीओ चंबा ने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया

संवाददाता

टिहरी। सीओ चम्बा महेश लखेडा ने कंडीसौड में स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया।

आज यहां वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आयुष अग्रवाल के आदेशानुसार, आदर्श आचार संहिता लगने के उपरांत सीओ चंबा महेश लखेड़ा द्वारा कंडीसौड में नामांकन स्थल , स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। प्रभारी निरीक्षक नई टिहरी द्वारा नामांकन स्थल जिला पंचायत कार्यालय नई टिहरी में सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया। ब्लॉक थोलधार (कंडीसौड)में क्षेत्राधिकारी चंबा के द्वारा नामांकन स्थल स्ट्रांग रूम मतगणना स्थल का भौतिक निरीक्षण कर सत्यापन किया गया तथा बीडीओ एवं आरओ से मुलाकात कर नामांकन में आने वाली समस्याओं के समाधान हेतु वार्ता की गई। इसके पश्चात थाना छाम पर चुनाव ड्यूटी को ध्यान में रखते हुए ग्राम प्रहरियों की मीटिंग ली गई तथा चुनाव से संबंधित आदेश निर्देश दिए गए।

प्रेमनगर में मजार पर चला बुलडोजर

❑प्रशासन का दावा, सरकारी जमीन पर बनी थी मजार

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड की धामी सरकार के निर्देश पर राज्य में अवैध मदरसों और मजारों के खिलाफ कार्यवाही जारी है। इसी क्रम में आज राजधानी दून के प्रेम नगर में बनी मजार पर प्रशासन द्वारा बुलडोजर कार्यवाही करते हुए उसे ध्वस्त कर दिया गया। प्रशासन का कहना है कि उक्त मजार सरकारी जमीन पर बनी थी।

राज्य की धामी सरकार द्वारा बीते कई महीनो से राज्य में अवैध मदरसों और धार्मिक संरचनाओं के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है। राज्य में जहां एक ओर अब तक सैकड़ो अवैध मजारों पर बुलडोजर चलाकर उन्हें ध्वस्त किया जा चुका है वहीं मदरसों की जांच के बाद अवैध रूप से संचालित किये जा रहे मदरसों को सील किया जा रहा है। मुख्यमंत्री धामी द्वारा सभी जिलाधिकारियों को इसके स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने-अपने जिलों में बने मजारों और मदरसों के रिकॉर्डो की जांच करें और अवैध पाये जाने वाले मदरसों तथा मजारों के खिलाफ ध्वस्तीकरण व सीलिंग की कार्रवाई की जाए।

इसी क्रम में आज देहरादून के प्रेम नगर में बनी मजार को हटाने के लिए जिला प्रशासन के अधिकारी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे और अवैध रूप से सरकारी जमीन पर बनी मजार पर बुलडोजर चला दिया गया। इस दौरान प्रशासन का कहना है कि उक्त मजार सरकारी जमीन पर बनी थी तथा हमने इसे हटाकर आज इस जगह को अतिक्रमण मुक्त कर दिया गया है। प्रशासन का यह भी कहना है कि इसका पहले नोटिस जारी किया गया था लेकिन इसका किसी के द्वारा न तो जवाब दिया गया न कोई इसका विरोध करने के लिए सामने आया।

हरेला पर्वः आबकारी विभाग का पर्यावरण को समर्पित अभियान

हर मंगलवार लगाये जायेगें 50 पौधेः आबकारी आयुक्त

हमारे संवाददाता

देहरादून। हरेला पर्व के उपलक्ष्य में इस वर्ष आबकारी विभाग ने एक सराहनीय पहल की है। आबकारी विभाग 1 जुलाई से 16 जुलाई तक वृक्षारोपण अभियान चलाएगा। इस दौरान प्रत्येक मंगलवार को जनपद स्तर पर जिला आबकारी अधिकारी के निर्देशन में समस्त आबकारी निरीक्षक व कर्मचारी मिलकर पौधारोपण करेंगे।

पर्यावरण को समर्पित हरेला पर्व पर चलाये जा रहे इस अभियान के अंतर्गत हर मंगलवार को कम से कम 50 पौधे लगाने का लक्ष्य रखा गया है। पौधारोपण का स्थान जिला आबकारी कार्यालय में यदि पर्याप्त स्थान उपलब्ध है तो वहीं या फिर निकटवर्ती उपयुक्त स्थल को चिन्हित कर किया जाएगा। यह पहल केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं होगी, बल्कि इन पौधों के संरक्षण और देखरेख की भी जिम्मेदारी तय की जाएगी ताकि वे फल-फूल सकें और पर्यावरण को दीर्घकालीन लाभ मिल सके। विभाग का मानना है कि मानसून के इस मौसम में पेड़-पौधे के जीवित रहने और अच्छे से बढ़ने की संभावना अधिक होती है, जिससे इस अभियान के सफल होने की उम्मीद काफी मजबूत है।

हरेला पर्व के दिन यानी 16 जुलाई को विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें अधोहस्ताक्षरी अधिकारी की उपस्थिति में एक बड़े स्तर पर पौधे रोपे जाएंगे। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारियों को उपयुक्त स्थानों के चिन्हांकन का निर्देश आबकारी आयुक्त अनुराधा पाल द्वारा दे दिये गये है।

कैंपा फंड का उपयोग वनों पर आश्रित समुदाय के कल्याण में किया जाये: धामी

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि कैंपा फंड का उपयोग राज्य में वनों के सतत प्रबंधन, वानिकी विकास, पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने तथा वनों पर आश्रित समुदायों के कल्याण के लिए किया जाए।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अध्यक्षता में सचिवालय में उत्तराखण्ड कैंपा (क्षतिपूर्ति वनीकरण निधि प्रबंधन एवं योजना प्राधिकरण) शासी निकाय की बैठक हुई। बैठक में कैंपा निधि के अंतर्गत संचालित योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि कैंपा फंड का उपयोग राज्य में वनों के सतत प्रबंधन, वानिकी विकास, पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने तथा वनों पर आश्रित समुदायों के कल्याण के लिए किया जाए। उन्होंने कहा कि देहरादून शहर में ग्रीन कवर बढ़ाने हेतु, कैम्पा फंड इस्तेमाल किए जाने के लिए केंद्र सरकार के स्तर से भी अनुमति प्राप्त करने की कार्यवाई की जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों में जलस्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवन के लिए प्रभावी योजना तैयार की जाए। वन क्षेत्रों में जलस्रोतों के संरक्षण और पुनर्जीवीकरण को शीर्ष प्राथमिकता में रखा जाए।

उन्होंने वनाग्नि रोकथाम के लिए आधुनिक तकनीक और सामुदायिक भागीदारी के जरिए व्यापक रणनीति बनाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि वृक्षारोपण के कार्य में केवल पौधे लगाने तक सीमित न रहकर पौधों के सर्वाइवल रेट पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। मुख्यमंत्री ने कैंपा निधि से संचालित परियोजनाओं की गुणवत्ता, समयबद्धता एवं प्रभावशीलता सुनिश्चित करने के लिए नियमित समीक्षा बैठक करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि हरेला पर्व पर प्रदेश में व्यापक स्तर पर वृक्षारोपण किया जाए। वन मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि स्थानीय लोगों को वन संरक्षण के कार्यों से जोड़ने के लिए स्वरोजगार और आजीविका आधारित कार्यक्रम चलाए जाएं ताकि वन संपदा के सतत उपयोग और संरक्षण में उनकी भागीदारी बढ़ाई जा सके।

बैठक में विधायक भूपाल राम टम्टा, मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन, प्रमुख सचिव वन आर.के. सुधांशु, प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुदंरम, प्रमुख वन संरक्षक समीर सिन्हा, सचिव श्रीमती राधिका झा, चन्द्रेश कुमार, एस एन. पाण्डेय, श्रीधर बाबू अदांकी और वन विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के दौरान दारोगा की तबियत बिगड़ी, मौत

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। अतिक्रमण हटाने के लिए चलाए जा रहे अभियान के दौरान ड्यूटी पर तैनात एक दारोगा की अचानक तबियत खराब हो गयी। मौके पर मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों ने तत्काल उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया, लेकिन उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया है।

जानकारी के अनुसार मृतक दारोगा वीरेंद्र गुसाईं वर्तमान में श्यामपुर थाने में तैनात थे। बताया जा रहा है कि आज सुबह उन्हें कोतवाली नगर क्षेत्र में चलाए जा रहे अतिक्रमण विरोधी अभियान में ड्यूटी पर भेजा गया था। अभियान के दौरान अचानक उनकी तबियत खराब हो गई। उन्हें जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उन्होंने दम तोड़ दिया।

वहीं मामले की सूचना मिलते ही पुलिस अधिकारियों में हड़कंप मच गया। एसपी सिटी पंकज गैरोला, सीओ सिटी शिशुपाल सिंह नेगी और श्यामपुर थाना प्रभारी नितेश शर्मा तत्काल जिला अस्पताल पहुंचे और पूरे मामले की जानकारी ली। एसपी सिटी पंकज गैरोला ने बताया कि वीरेंद्र गुसाईं का अचानक चले जाना पुलिस विभाग के लिए अपूर्णीय क्षति है।

खोए हुए मोबाइल फोन की बड़ी रिकवरी

❑40 लाख से अधिक कीमत के 300 से ज्यादा फोन किए सुपुर्द

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। आज का दिन मोबाइल खोने से मायूस कई चेहरों पर तब खुशी के पल लेकर आया जब पुलिस कार्यालय रोशनाबाद स्थित कॉफ्रेंस हॉल में आयोजित कार्यक्रम में एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल एवं अन्य पुलिस ऑफिसर्स द्वारा 300 से अधिक खोए हुए मोबाइल रिकवर कर उनके मूल स्वामियों के सुपुर्द किए गये।

एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा दिए गए निर्देश पर साईबर सेल टीम हरिद्वार द्वारा जनपद के विभिन्न थानों में मोबाइल खोने के संबंध में प्राप्त प्रार्थना पत्रों में अंकित मोबाइल विवरण को पोर्टल एवं सर्विलांस/ थानो के माध्यम से उत्तराखण्ड सहित उत्तर प्रदेश, पंजाब, बिहार, गुजरात, महाराष्ट्र आदि राज्यों से 40 लाख रुपये से अधिक बाजार कीमत के 300 से अधिक मोबाइल फोनों को रिकवर किया गया। विगत वर्ष 2024 में हरिद्वार पुलिस द्वारा 668 मोबाइल खोजकर उनके स्वामियों के सुपुर्द किए गए थे। खोये हुए मोबाइल वापस पाकर उनके स्वामियों के चेहरो पर खुशी की झलक दिखाई दी।

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर कार्मिकों का हुआ पहला रेन्डमाइजेशन

संवाददाता

देहरादून। उपजिला निर्वाचन अधिकारी/नोडल अधिकारी कार्मिक अभिनव शाह की अध्यक्षता में मतदान कार्मिकों का सॉफ्टवेयर के माध्यम से पहला रेंडमाइजेशन किया गया।

आज यहां जिला निर्वाचन अधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लेकर उपजिला निर्वाचन अधिकारी/नोडल अधिकारी कार्मिक अभिनव शाह की अध्यक्षता में मतदान कार्मिकों का सॉफ्टवेयर के माध्यम से पहला रेंडमाइजेशन किया गया। इसमें जिले के 14 हजार पात्र कार्मिकों के पूर्ण डेटाबेस से 25 प्रतिशत रिजर्व सहित 7560 कार्मिकों का चयन किया। इसमें पीठासीन अधिकारी और प्रथम मतदान अधिकारी शामिल है। देहरादून जनपद के 06 विकास खंडों में कुल 1090 मतदेय स्थल है। पहले रेंडमाइजेशन के तहत 1512 मतदान दल बनाए गए है, जिसमें 7560 कार्मिकों का चयन किया गया है। चयनित पीठासीन अधिकारियों को 06 जुलाई और प्रथम मतदान अधिकारियों को 07 जुलाई को पहला प्रशिक्षण दिया जाएगा। मतदान कार्मिकों के दूसरे रेंडमाइजेशन में पार्टी गठन के साथ ब्लॉक आवंटित किए जाएंगे। प्रत्येक पोलिंग पार्टी में द्वितीय कार्मिक के रूप में महिला कार्मिक की भी तैनाती की जाएगी। पारदर्शिता के लिए रेंडमाइजेशन प्रक्रिया की पूरी वीडियो एवं फोटोग्राफी भी की गई। कार्मिकों के रेंडमाइजेशन के दौरान जिला सूचना विज्ञान अधिकारी रणजीत सिंह चौहान, एडीआईओ अंकुश पांडेय, डीटीडीओ बृजेन्द्र पांडेय आदि मौजूद थे।

फील्ड में उतरकर करें शराब तस्करों पर कार्यवाही: आयुक्त आबकारी

हमारे संवाददाता

देहरादून। दफ्तरों में बैठकर आराम फरमाने वाले अधिकारी अब उन्हें फील्ड में उतरकर अवैध शराब के खिलाफ कार्यवाही करेंगें। यह बदलाव कोई सामान्य निर्णय नहीं, बल्कि राज्य की पहली महिला आबकारी आयुक्त अनुराधा पाल की सख्त कार्यशैली और नेतृत्व का प्रत्यक्ष परिणाम है। उन्होंने पदभार ग्रहण करते ही साफ कर दिया कि अब आबकारी विभाग में केवल बैठकों और कागजी कार्रवाई से काम नहीं चलेगा, बल्कि हर अधिकारी को जमीनी स्तर पर उतरकर नतीजे देने होंगे।

आयुक्त ने प्रदेश भर में चल रही अवैध शराब की तस्करी और कच्ची शराब की बिक्री को गंभीरता से लेते हुए एक व्यापक अभियान की शुरुआत की है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि यदि अब कहीं भी अवैध या जहरीली शराब के कारण कोई अप्रिय घटना घटित होती है, तो केवल छोटी मछलियों को नहीं पकड़ा जाएगा, बल्कि सिपाही से लेकर जिला आबकारी अधिकारी तक की सीधी जवाबदेही तय की जाएगी।

❑अवैध शराब पर कार्रवाई के लिए फील्ड में उतारे गए आबकारी अधिकारी

इस चेतावनी के बाद से विभाग में खलबली मच गई है और वर्षों से कागजों तक सीमित रहने वाले कई अधिकारी अब फील्ड में सक्रिय नजर आने लगे हैं। यही नहीं, आयुक्त ने यह भी निर्देश दिया है कि फील्ड का काम केवल फील्ड में रहकर ही किया जाएगा, कागजों पर बैठकर आंकड़ों का खेल अब नहीं चलेगा।

इस फैसले का पहला प्रभाव खुद उनके गृह जनपद हरिद्वार में देखने को मिला, जहां आबकारी विभाग के अधिकारियों की छापेमारी के नाम पर दफ्तर से बाहर निकलने की शुरुआत जरूर हो गई। आयुक्त की इस सख्त कार्यवाही से शराब माफियाओं में भी हड़कंप मच गया है।

आयुक्त अनुराधा पाल की कार्यशैली को लेकर विभागीय कर्मचारियों में मिली-जुली प्रतिक्रिया है। जहां एक ओर फील्ड में सक्रिय अधिकारी इस बदलाव को एक सकारात्मक पहल मान रहे हैं, वहीं वर्षों से कार्यालय की सुरक्षा में कार्यरत अधिकारी अब नए सिरे से काम की आदत डालने को मजबूर हो गए हैं।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, एडवोकेट
बैजनाथ, एडवोकेट

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।